CASE STUDY

अपना स्वास्थ्य, अपनी पहल

लोधा पंचायत
तलवाडा ब्लॉक
बांसवाडा जिला

2017/No. 04

महिला नेतृत्त्व का मातृ शिशु स्वास्थ्य के लिए प्रभावी कदम

Knowledge. Voice. Democracy.
PRIA

महिला बैढक का नेतृत्व करती सरपंच जी

Azim Premji Philanthropic Initiatives

dasra

बांसवाडा भारतीय राज्य राजस्थान के दक्षिण भाग में स्थित एक पिछड़ा जिला है। यह गुजरात और मध्यप्रदेश दोनों राज्यों की सीमा से लगा है। जिले की लगभग 93 प्रतिशत जनसंख्या (2011की जनगणना के अनुसार) ग्रामीण क्षेत्रो में रहती है। बांसवाडा शहर को "सौ द्वीपों का नगर" भी कहते है। क्योकि यहाँ बहने वाली माही नदी में अनेकानेक द्वीप है। यहाँ के अधिकांश लोग खेती करके अपना जीवन व्यापन करते है व खेती में यहाँ गेहूं ,मक्का,चना प्रमुख है। यहाँ की स्थानीय बोली वागडी है।

लोधा ग्राम पंचायत तलवाडा पंचायत समिति के कार्यालय से 12 किलोमीटर और कलेक्ट्रेट से 3 किलोमीटर की दुरी पर है। इस ग्राम पंचायत में 9 वार्ड है। यहाँ 3 महिला बैठक का नेतृत्व करती सरपंच जी आंगनवाड़ी केंद्र और एक मिनी आंगनवाड़ी केंद्र है.। इस पंचायत की आबादी लगभग 4500 है। यहाँ पर अनुसूचित जनजाति का बहुमूल्य है। इनमे बामनिया,डिंडोल.जाति की संख्या ज्यादा है। इस पंचायत में कनिया लोगो का निवास अधिक है। यहाँ की सरपंच ममता बामनिया है जिनकी उम्र लगभग 30 वर्श है, इन्होने 9वी कक्षा तक पढाई की है ।

बांसवाडा जिला की मातृ–मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर देश के अधिकतर जिलो से अधिक है। ये आंकडे जिले की चिंताजनक स्वास्थ्य समस्या की और इशारा करते है। तलवाडा ब्लॉक की ग्राम पंचायतो में मातृ–शिशु स्वास्थ्य को संतोषजनक बनाने के लिए पंचायत सशक्तिकरण के द्वारा प्रिया प्रयासरत है। इसी संदर्भ में प्रिया स्वास्थ्य कर्मियों को आंगनबाड़ी कर्मियों ,गर्भवती एवं धात्री महिलाओ तथा समुदाय को स्वास्थ्य के.प्रति संवेदनशील बनाने का प्रयत्न कर रही है। विभिन्न कार्यकर्मो और प्रशिक्षणों के माध्यम से "प्रिया" की तरफ से उन्हें पंचायत बैठकों और ग्राम सभा में सभागिता के महत्त्व के बारे में बताया गया। टीकाकरण दिवस, जिले का स्थानीय पुकार कार्यक्रम ,ग्रामीण, स्वास्थ्य ,स्वच्छता एवं पेयजल तथा तथा.पोशण समिति की बैठकों एवं समूह चर्चाओ के माध्यम से मातृ–शिशु.स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए.जानकारी दी गई और प्रशिक्षण करवाए गए। उसी समय यह पता चला की लोधा ग्राम पंचायत में तो अधिकतर बच्चो को टीका नही लगता है।.गर्भवती महिलाओ के ANC का भी बुरा.हाल है। आंगनबाड़ी केंद्र भी ठीक से काम नही कर रहे और पंचायत तो कभी इन मुद्दों पर कोई चर्चा ही नही करती है।

लोधा ग्राम पंचायत की सरपंच ममता बामनिया जी से जब प्रिया की एनिमेटर मनीशा सोमपुरा पहली बार मिली और उनसे बातचीत की तो पता चला की सरपंच को इस बात की जानकारी नही थी की उपस्वास्थ्य केंद्र , आंगनबाड़ी केंद्र का निरिक्षण एवं वहां की सुविधाओ का जायजा लेना भी उनकी जिम्मेदारी है। उन्हें यह भी पता नही था की वो किस प्रकार से वहाँ की सुविधाओ को बेहतर बनाने में अपना योगदान दे सकती है। उन्हें ग्रामीण स्वास्थ्य,स्वच्छता,पेयजल एवं पोषण समिति (VHSWNC) के बारे में भी पता नही था। इस समिति का क्या कार्य है? इस समिति में कितने सदस्य है ? कब और कहाँ इसकी बैठक होती है? इस समिति का अध्यक्ष कौन है ?,इन सब बातों की जानकारी सरपंच साहिबा को नही थी।

आंगनवाड़ी कर्मियों , महिलाओ को टीकाकरण के बारे में बताती हुई

दूसरी तरफ गर्भवती व धात्री महिलाए टीकाकरण में अपनी रूचि नही दिखाती थी वे। अपना पूर्ण टीकाकरण नही करवाती थी। महिलाए किसी भी प्रकार की बैठक चाहे ग्राम सभा, पंचायत बैठक हो या महिला बैठकें इनमे भाग नही लेती थी। महिला सभा तो होती ही नही थी।

प्रिया ने ममता बामनिया को उनकी पंचायत में उनकी भूमिका के बारे में बताया। और पंचायत बैठकों के माध्यम से सरपंच को VHSWNC उपस्वास्थ्य केंद्र की सुविधाओ., आंगनबाड़ी केंद्र की सुविधाओ के बारे बताया। प्रिया द्वारा सरपंच जी की अध्यक्षता में महिला समूह चर्चा का आयोजन भी किया गया,इसके बाद महिला ग्राम सभा भी आयो. जित की गई । इन बैठकों में स्वास्थ्य,स्वच्छता,पेयजल.,पोषण,स्तनपान ,टीकाकरण, संस्थागत प्रसव आदि कई विशयो पर चर्चा की गई,साथ ही महिलाओ की स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओ के बारे में चर्चा की गई । इन सभी हस्तक्षेपो के माध्यम से एक ओर जहाँ सरपंच और पंचो का गहन प्रषिक्षण हुआ , वही दूसरी ओर गाँव की महिलाओ में अपने स्वास्थ्य के प्रति संवेदना जगी उनमे ग्राम सभा की बैठकों में बढ़ चढ़ के भाग लेने का उत्साह बढ़ा।

आंगनवाड़ी कर्मियों , महिलाओ को टीकाकरण के बारे में बताती हुई प्रिया के इस सहयोग से सरपंच के नेतृत्व क्षमता में बहुत बदलाव हुआ। वर्तमान स्थिति यह है की सरपंच साहिबा स्वयं टीकाकरण दिवस पर उपस्वास्थ्य केंद्र पर जाती है और VHSWNC की बैठको की अध्यक्षता करती है सरपंच इन बैठकों में आवश्यक कार्यो पर प्रस्ताव भी लेती है जैसे की पूर्ण टीकाकरण करवाना ,आंगनबाड़ी की मूलभूत आवष्यकताओ की पूर्ति करवाना ,शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव करवाने का प्रयास करना आदि वो स्वयं अनेक महिलाओ को टीकाकरण के बारे में बताती है की इससे उनके एवं उनके बच्चे को कई जानलेवा बीमारियों से बचाया जा सकता है। ANM व आशा से उन महिलाओ के बारे में भी जानकारी लेती है, जो अपना व अपने बच्चे का टीकाकरण नही करवाती है व इसके बाद सरपंच वैसी महिलाओं को टीकाकरण के लिए तैयार करती है, इससे टीकाकरण में काफी सुधार हुआ है ,अब उनके ग्राम पंचायत में सभी महिलाए अपना पूर्ण टीकाकरण करवाती है।

इस बार के सरकारी टीकाकरण कार्यक्रम (इन्द्रधनुश) के दौरान सरपंच और अन्य पंचायत सदस्यों एवं प्रिया के एनिमेटर के सम्मिलित प्रयास से ग्राम पंचायत के अधिकतर परिवार के लोगों ने उत्साह पूर्वक अपने सभी बच्चो का टीकाकरण करवाया। जहाँ लोधा पंचायत में इके–दुक्के बच्चो के ही टीकाकरण होते थे , अब वहीं लगभग 100 प्रतिशत बच्चो का टीकाकरण हो गया व सभी धात्री महिलाए नियमित रूप से ANC करा रही है।

सरपंच द्वारा आंगनबाड़ी में निरिक्षण के कारण आज आंगनबाड़ी कन्द्रो की स्थिति ,में काफी सुधार आया है। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर एवं इनके आसपास साफ सफाई होने लगी है व आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी होने लगी है। महिलाओ की बैठकों में भागीदारी बढ़ने लगी है व सरपंच द्वारा.आयोजित समूह चर्चा में महिलाए भाग लेने लगी एवं अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओ को बताने लगी.है ।.अब वो.स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण मुद्दा मानने लगी है व इस गाँव की महिलाए एवं सरपंच साहिबा का स्वास्थ्य से संबंधी सभी बैठकों और VHSWNC की बैठकों में नियमित रूप से हिस्सा लेने से गाँव के अन्य लोगों की सोच भी बदली है । सरपंच साहिबा अब अपनी ग्राम पंचायत में नियमित महिला सभा करवाने के बारे में सोच रही है.साथ ही महिलाओ को इसके बारे में.जानकारी भी दे रही है।

सरपंच का नेतृत्व निखरने के साथ ही ,ग्राम पंचायत में बदलाव नजर आ रहा है गाँव में आम लोगों की स्वास्थ्य के प्रति सजगता, गाँव की संस्थागत बैठकों (ग्राम सभा, महिला सभा,VHSWNC आदि) में बढ़ी भागेदारी का प्रभाव ग्राम पंचायत के आगामी साल के नियोजन (GPDP) में भी नजर आया व ग्राम पंचायत ने मातृ–शिशु स्वास्थ्य को अपने GPDP में अहम स्थान देकर , स्वास्थ्य के प्रति अपनी संस्थागत संचेतना को दिखाया है व प्रिया के प्रति भी इस ग्राम पंचायत में आदर और उत्साह बढ़ा है।

This case study was written by Seema Sharma, Assistant Program officer for PRIA's "Reforming Local Governance For Responsive And Effective Service Deliveries In Selected Blocks Of Rajasthan" Project, in Partnership with Azim Premji Philanthropic Initiatives (APPI) and Dasra.